सामाजिक विज्ञान

(नागरिक शास्त्र)

अध्याय-8: ग्रामीण क्षेत्र में आजीविका

SHIVOM CLASSES 8696608541

ग्रामीण क्षेत्र में आजीविका

हम यह पहले भी पढ़ चुके हैं कि किस प्रकार किसी क्षेत्र का पर्यावरण वहां पर रहने वाले लोगों पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालता है वहां के पेड़ पौधे वहां की फसलें या दूसरी चीजें किस तरह उनके लिए महत्वपूर्ण हो जाती हैं इस अध्याय में हम गांव में लोग किन विभिन्न तरीकों से अपनी आजीविका चलाते हैं तथा सभी लोगों को एक प्रकार से आजीविका चलाने के समान अवसर उपलब्ध हैं इन सब समस्याओं को हम जानने का प्रयास करेंगे।

कालपट्टू गाँव

तमिलनाडु के समुद्र तट के पास एक गांव है कल पट्टू यहां लोग कई तरह के काम करते हैं दूसरे गांव की तरह यहां भी खेती के अलावा कई काम होते हैं जैसे टोकरी बर्तन घड़े ईट बैलगाड़ी इत्यादि बनानातथा इस गांव में कुछ लोग सेवाएं भी प्रदान करते हैं जैसे नर्स शिक्षक धोबी बुनकर नई साइकिल ठीक करने वाले तथा लोहार इसके अलावा यहां पर छोटी दुकानें भी दिखाई देती हैं जैसे चाय सब्जी कपड़े की दुकान तथा दो दुकानों बीज और खाद की तथा कुछ दुकानों पर टिफिन भी मिलता है यहां का मुख्य भोजन इडली डोसा उपमा यह गांव छोटी-छोटी पहाड़ियों से घिरा हुआ है सिंचाई जमीन पर मुख्यता धान की खेती होती है और ज्यादातर परिवार खेती के द्वारा अपनी आजीविका कमाते हैं यहां आम और नारियल के काफी बाग हैं कपास गन्ना और अकेला भी उगाया जाता है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तुलसी

तुलसी एक भूमिहीन मजदूर है जो इस छोटे से गांव में एक जमीदार के यहां मजदूरी करती है तथा उसकी मजदूरी वर्षभर नियमित नहीं है क्योंकि वह खेत में केवल निराई कटाई वर उपाय के समय ही कार्य करती है तथा वर्ष के अन्य समय वह छोटे-मोटे काम करके अपना जीवन यापन करती है।

जमीदार के यहां उससे ₹40 मजदूरी मिलती है जो की न्यूनतम मजदूरी से भी कम है तथा तुलसी के पति पास की नदी से बालू ढोने का काम करते हैं तथा तुलसी वर्ष के अन्य दिनों में घर के काम जैसे खाना बनाना कपड़े धोना व साफ सफाई करने का कार्य करती है तथा कम पैसों में अपनी आजीविका चलाती है।

हमारे देश में ग्रामीण परिवार में से करीब 40% खेतिहर मजदूर हैं कुछ के पास जमीन के छोटे-छोटे टुकड़े हैं बाकी मजदूर भूमिहीन है कई बार जब पूरे साल उन्हें काम नहीं मिलता तो वह दूरदराज के इलाकों में काम की तलाश में पलायन करते हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

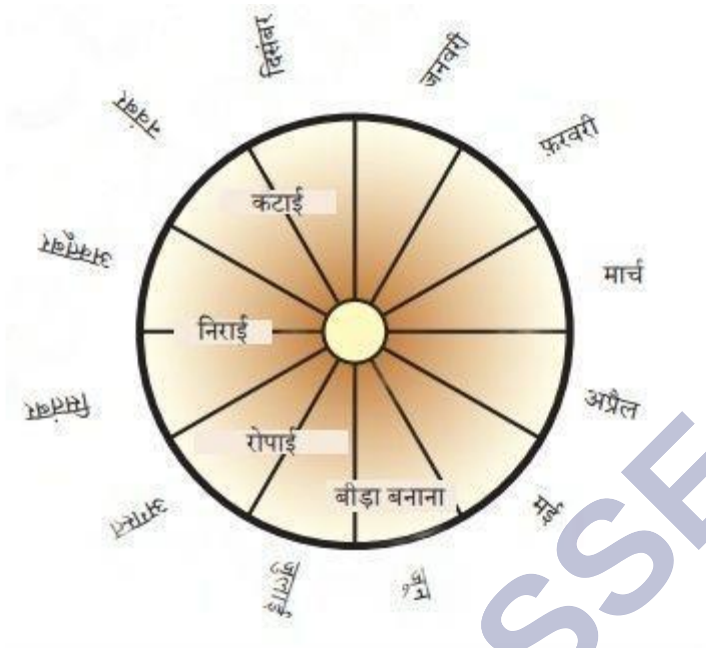

शेखर

शेखर एक किसान है जो अपनी भूमि पर कृषि करता है तथा उसे कृषि करने के लिए धन की आवश्यकता होती है जिसके लिए वह व्यापारी से खाद और बीज उधार लेता है और बदले में अपनी फसल उसी व्यक्ति को भेजता है इस पूरे लेनदेन में शेखर को कम फसल प्राप्त हो पाती है तथा वह अपनी आजीविका चलाने के लिए कृषि के अलावा चावल की मिल में कार्य करता है और अपनी गाय का दूध सहकारी समिति में भेज देता है।

साहूकारों द्वारा कर्ज लेने पर

शेखर की तरह कई छोटे किसान साहूकारों से कर्ज लेते हैं तथा उस पैसे को बीज खाद व कीटनाशक में इस्तेमाल करते हैं फसल के खराब होने की स्थिति में किसानों की लागत भी नहीं निकल पाती और उन्हें अपने आजीविका चलाने के लिए साहूकारों से और कर्ज लेना पड़ता है धीरे-धीरे यह कर्ज इतना बढ़ जाता है कि किसान उसे चुका नहीं पाते कई क्षेत्रों में किसानों ने कर्ज के बोझ से दब कर आत्महत्या कर ली।

SHIVOM CLASSES 8696608541

रामलिंगम और करुथम्मा

रामलिंगम के पास चावल की मील बीज व कीटनाशक की दुकान और भूमि का बड़ा टुकड़ा मौजूद था और सरकारी बैंक से कुछ पैसा कर्ज लिया हुआ था इस प्रकार रामलिंगम के पास अच्छा खासा पैसा मौजूद था।

यह साहूकार आसपास के गांव से ही धान खरीदते हैं मेल का चावल आसपास के शहरों के व्यापारियों को बेचा जाता है इससे उनकी अच्छी खासी कमाई हो जाती है।

भारत के खेतिहर मजदूर और किसान

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

कलपट्टू गांव में तुलसी की तरह के खेतिहर मजदूर हैं शेखर की तरह के छोटे किसान हैं और रामलिंगम की तरह साहूकार हैं भारत में प्रत्येक 5 ग्रामीण परिवारों में से लगभग 2 परिवार खेतिहर मजदूर हैं ऐसी सभी परिवार अपनी कमाई के लिए दूसरों के खेतों पर निर्भर करते हैं इनमें से कई भूमिहीन है और कई के पास जमीन के छोटे-छोटे टुकड़े हैं।

छोटे किसानों को ले तो उनकी जरूरतों के हिसाब से खेत बहुत ही छोटे पढ़ते हैं भारत में 80% किसानों की यही हालात हैं भारत में केवल 20% किसान बड़े किसानों की श्रेणी में आते हैं ऐसे किसान गांव की अधिकतर जमीन पर खेती करते हैं उनकी उपज का बहुत बड़ा भाग बाजार में बेचा जाता है कई बड़े किसानों के अन्य काम धंधे भी शुरू कर दिए हैं जैसे दुकान चलाना शुद्ध पर पैसा देना छोटी-छोटी फैक्ट्रियां चलाना इत्यादि।

मध्य भारत के कुछ गांव में खेती और जंगल की उपज दोनों ही आजीविका के लिए महत्वपूर्ण साधन है महुआ बनाने तेंदू के पत्ते इकट्ठा करने शहद निकालने और इन्हें व्यापारियों को बेचने जैसे काम अतिरिक्त आय में मदद करते हैं इसी तरह सहकारी समिति को यह पास के शहर के लोगों को दूध बेचना भी कई लोगों के लिए आजीविका कमाने का मुख्य साधन है।

अरुणा और पारीवेलन

पुडुपेट कल पट्टू से ज्यादा दूर नहीं है यहां लोग मछली पकड़ कर अपनी आजीविका चलाते हैं उनके घर समुद्र के पास होते हैं और जहां चारों ओर जाल केटामरैंन की पंक्तियां दिखाई देती हैं सुबह 7:00 बजे समुद्र किनारे पड़ी गहमागहमी रहती है इस समय सारे लोग मछलियां पकड़ कर लौट आते हैं मछली खरीदने और बेचने के लिए बहुत सारी औरतें इकट्ठा हो जाती हैं।

यहां पर ज्यादातर लोग मछलियां की नीलामी करके अपनी आजीविका चलाते हैं तथा बैंकों से पैसा उधार लेकर अपनी छोटी नाव व जाल खरीदते हैं तथा मछलियां बेचकर बैंकों को पैसा वापस लौट आते हैं।

नीलामी में जो औरतें यहां से मछलियां खरीदती हैं वे टोकरी भर भर कर पास के गांव में बेचने के लिए जाती हैं कुछ व्यापारी भी है जो शहर की दुकानों के लिए मछलियां खरीदते हैं।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

हर साल मानसून के दौरान करीब 4 महीने तक मछली पकड़ने का कार्य नहीं होता क्योंकि यह समय मछलियों के प्रजनन का होता है इन महीनों में मछुआरे व्यापारियों से उधार ले कर अपना गुजारा चलाते हैं इस कारण बाद में मछुआरे मजबूरी में उसी व्यापारी को अपनी मछली बेचते हैं

ग्रामीण क्षेत्र में आजीविका के साधन

जैसा कि हमने देखा ग्रामीण क्षेत्र में कुछ लोग खेती बाड़ी का काम करते हैं जिसमें खेत तैयार करना रोपाई बनवाई निराई कटाई इत्यादि कार्य शामिल हैं तथा किसान अलग-अलग प्रकार की फसलें उगाते हैं जिससे वह वर्ष भर अपनी आजीविका चला सकें।

कुछ लोग कृषि के अलावा छोटे-मोटे कार्य करते हैं जैसे चाय बेचना लोहार धोबी के कार्य तथा कुछ लोग मछली पकड़ने जैसे कार्य में भी शामिल है।

ग्रामीण क्षेत्रों में लोग अपनी आय विभिन्न तरीकों से कमाते हैं। कुछ खेती.बाड़ी का काम करते हैं और स्थानीय बाज़ार में मछलियाँ बेचती हुई मछुआरिनें कुछ अन्य काम करके अपनी आजीविका चलाते हैं। खेती में कई तरह के काम शामिल हैंए जैसे खेत तैयार करनाए रोपाई बुवाई निराई और कटाई। फ़सल अच्छी हो इसके लिए हम प्रकृति पर निर्भर हैं। इस तरह जीवन ऋतु ओंके इर्द - गिर्द ही चलता है।

बुवाई और कटाई के समय लोग काफी व्यस्त रहते हैं और दसरे समय काम का बोझ कम रहता है। देश के अलग.अलग क्षेत्रों में ग्रामीण लोग अलग.अलग तरह की फ़सलें उगाते हैं। फिर भी हम उनके जीवन की परिस्थितियों में और उनकी समस्याओ मं काफी समानताएँ पाते हैं

SHIVOM CLASSES 8696608541

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 86)

प्रश्न 1 आपने सम्भवत: इस बात पर ध्यान दिया होगा कि कलपट्टु के लोग खेती के अलावा और भी कई काम करते हैं। उनमें से पाँच कामों की सूची बनाइए।

उत्तर – कलपट्टु के लोग खेती के अलावा कई काम करते हैं। जैसे : – बर्तन बनाना ,बैलगाड़ी बनाना, साइकिल ठीक करना, लोहार का काम, धोबी का काम, घड़े बनाना, ईट बनाना, टोकरी बनाना कलपट्टु में कुछ लोग नर्स, शिक्षक, बुनकर, नाई के रुप में सेवाएं देते हैं यहां कुछ दुकानदार एवं व्यापारी भी है यहा आपको तरह-तरह की कई छोटी दुकानें दिखेंगी जैसे चाय की दुकान सब्जी की दुकान कपड़े की दुकान एवं खाद बीज की दुकान कलपट्टू गांव के कुछ लोग इन दुकानों पर काम करते हैं और कलपट्टू गांव के कुछ लोग पास के गांव में जाकर मकान बनाने और लोरी चलाने का काम करते हैं

प्रश्न 2 कलपट्टु में विभिन्न तरह के लोग खेती पर निर्भर हैं। उनकी एक सूची बनाइए। उनमें से सबसे गरीब कौन है और क्यों ?

उत्तर – कलपट्टु में बड़े किसान, छोटे किसान और भूमिहीन किसान सभी खेती पर निर्भर हैं। भूमिहीन किसान उनमें सबसे गरीब होते हैं, क्योंकि उनके पास अपनी ज़मीन नहीं होती है। वे अपने जीवन-यापन के लिए और भी कई छोटे छोटे काम करते तो हैं, लेकिन उससे भी उन्हें बहुत कम मजदूरी मिलती है। कलपट्टू गांव में सबसे गरीब तुलसी है क्योंकि उसके पास अपनी जमीन नहीं है वह रामलिंगम के खेत में काम करके अपनी आजीविका चला रही है।

प्रश्न 3 कल्पना कीजिए कि आप एक मछली बेचने वाले परिवार की एक सदस्य हैं। परिवार यह चर्चा कर रहा है कि इंजन के लिए बैंक से उधार लें कि न ले। आप क्या कहेंगी ?

उत्तर – मैं इंजन खरीदने के लिए बैंक से उधार लेना चाहूँगी, क्योंकि बैंक का ब्याज दर कम होता है। इसके अतिरिक्त इसे छोटी-छोटी किस्तों में लुटाया जा सकता है यदि किसी साहूकार से उधार लेंगे तो वह हर प्रकार से हमारा शोषण करेगा। कैटामरैन (मछुआरों की खास तरह की छोटी नाव) में इंजन लग जाने से गहरे पानी में जाना आसान हो जाएगा। इससे मछली ज्यादा पकड़ी जायेगी

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

और आमदनी में भी बढ़ोत्तरी होगी। इससे कारगर योजनाओं के साथ समय पर ऋण चुकाना भी आसान हो जाएगा।

प्रश्न 4 तुलसी जैसे गरीब ग्रामीण मजदूर के पास अच्छी शिक्षा, स्वास्थय की सुविधाओं और अन्य साधनों का अभाव होता है। आपने इस किताब की पहली इकाई में असमानता के बारे में पढ़ा। तुलसी और रामलिंगम के बीच का अंतर एक तरह का असमानता ही है। क्या यह एक उचित स्थिति है? आपके विचार में इसके लिए क्या किया जा सकता है? कक्षा में चर्चा कीजिए।

उत्तर – तुलसी और रामलिंगम के बीच का अंतर एक अच्छी स्थिति नहीं है। ये असमानता उनकी आय में अंतर के कारण उत्पन्न हुई है। इसके लिए सरकार को तुलसी जैसे किसानों की स्थिति में सुधार के लिए कुछ ठोस कदम उठाने चाहिए। जैसे

1. भूमिहीन खेतिहर मजदूरों को भूमि दी जा
2. उनके काम के घंटे निश्चित किए जाए तथा निश्चितता न्यूनतम मजदूरी दी जाए
3. सरकार द्वारा उन्हें अपना रोजगार चलाने के लिए आर्थिक सहायता दी जाए
4. खेतीहर मजदूरों को साल भर काम देने की व्यवस्था की जाए

प्रश्न 5 आपके अनुसार सरकार शेखर जैसे किसानों को कर से मुक्ति दिलाने में कैसे मदद कर सकती है ? चर्चा कीजिए।

उत्तर – सरकार शेखर जैसे किसानों को ऋण से मुक्ति दिलाने के लिए निम्नलिखित तरीकों से मदद कर सकती है

1. उन्हें बैंकों से सस्ती ब्याज दर पर ऋण दिलवाया जाए
2. सरकार ऋण पर लगे ब्याज को माफ भी कर सकती ह
3. सरकार साहूकारों पर शिकंजा कसे और किसानों की उपज उचित मूल्य पर स्वयं खरीदें
4. किसानों को बीज तथा खाद की खरीद पर विशेष छूट दी जाए

प्रश्न 6 नीचे दी गई तालिका भरते हुए शेखर और रामलिंगम की स्थितियों की तुलना कीजिए।

उत्तर –

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

	शेखर	रामलिंगम
खेती की हुई जमीन	दो एकड़	बीस एकड़
मजदूरों की जरूरत	मजदूरों की कोई जरूरत नहीं ,केवल परिवार के सदस्यों से ही काम चल सकता है	भिन्न-भिन्न कार्यों के लिए बड़ी संख्या में मजदूर चाहिए
उधार की जरूरत	बीज , खाद आदि खरीदने के लिए और घर–बार चलाने के लिए उधार चाहिए	केवल आधुनिक कृषि यंत्र खरीदने के लिए ही उधार की जरूरत पड़ सकती है
फसल का बिकना	रामलिंगम के पास उसकी चावल मिल के लिए	फसल नहीं बेची जाती

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)